

मोड्यूल 13: सेप्सिस (जन्तुदोष) : निदान तथा कोट्रिमॉक्सेजोल से उपचार

सत्र 5 : मूल्यांकन : केस अध्ययन

दिवस : 3

समयावधि : 45 मि.

प्रयोजन

आशाओं की सेप्सिस के निदान, देखभाल तथा इलाज करने, माता-पिता को उचित सलाह देने और ठीक प्रकार से फॉर्म भरने की योग्यताओं की जाँच करना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशाओं में निम्न योग्यता आएँगी –

1. सुनिश्चित मापदंडों के अनुसार सेप्सिस का निदान और उपचार (लिखित परीक्षा में 70% से अधिक अंक प्राप्त करना)

सामग्री

- अभ्यासपत्र 1: परीक्षापत्र
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1: परीक्षापत्र के उत्तर

तैयारी

- मूल्यांकन के लिये प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के अनुसार अभ्यासपत्र 1 की प्रतियाँ बनालें।

प्रशिक्षण विधि

प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन (45 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. अभ्यासपत्र 1: परीक्षापत्र बाँटें
2. प्रत्येक आशा परीक्षापत्र स्वयं हल करें।
3. आशा द्वारा लिखे गये परीक्षापत्र 35 मिनट बाद इकट्ठा कर लें।
4. प्रत्येक प्रश्न/उत्तर के बारे में चर्चा करें। सभी की समस्याओं का समाधान करें।

सारांश :

सेप्सिस (जन्तुदोष) की देखभाल से संबंधित मुख्य बातों को दोहराना:

- घरों का दौरा फॉर्म के सेप्सिस निदान वाले भाग में दिए गए, एक ही दिन में 2 या अधिक लक्षणों के आधार पर नवजात शिशुओं में सेप्सिस का निदान।
- माता-पिता को शिशु के रोग की सही स्थिति के बारे में आशा बताएँ और घर पर रखकर ही इलाज करने के लिए माता-पिता से लिखित पूर्व स्वीकृति वाले फॉर्म पर हस्ताक्षर करवाएँ।
- आशा 7 से 10 दिन तक दिन में 2 बार शिशु को देखने जाएँ।
- आशा माता-पिता को बताएँ, और करके दिखाएँ, कि शिशु की घर पर रखकर देखभाल कैसे करनी है।
- प्रत्येक दौरे के समय सेप्सिस के उपचार वाला फॉर्म भरें।

सत्र का मूल्यांकन :

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
सुनिश्चित मापदंडों के अनुसार सेप्सिस का निदान और उपचार (लिखित परीक्षा में 70% से अधिक अंक प्राप्त करना)	लिखित परीक्षा केस प्रस्तुति। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी सुनिश्चित मापदंडों के अनुसार सेप्सिस का सही निदान तथा उपचार करे।	प्रत्येक आशा द्वारा स्वयं हल किया गया परीक्षापत्र।